

धर्मरत्न राजाचार्य सु १ महाविहार

II-272

वैद्व-चचा (चर्या)

धर्मरत्न बज्राचार्य सु १ महाविहार

II-272

यत्नायुक्तं विष्णुसूक्तं [चरितसूक्त]

ह्रीं वनमस्तु ॥ ह्रीं कं स्य मस्तु ॥ सनातनं ह्रीं वनमं च यत् ॥
 तावाप्रयोग ॥ प्रतिवेधगीता ॥ ह्रीं विं ननु नं न धरुवदी वी ॥
ॐ नमः श्रीवदमलाय ॥ नमः श्रीवद ॥ गालजप ॥ मध्य
 भनूमहामहि कनकचाजिगः पूर्वविदं रुकुलजं वद्वीप २
 अयजगः जयनिउरुनव नूरु वनं पञ्चवर्ष पञ्चजिनवा
 पियाये ॥ नमः पञ्चवृद्ध रविष्ठ श्रीजिगविष्ठहिगविष्ठर
 गपञ्चमूर्ति ॥ अष्टदीपानलवहनिजिनमानसा हजनु

मयलि होले

मयलि होले

रुयगिमिचघनधाननूरु ॥ जागवेदन्यस्ययाउप दीप
 नाउपदीपपनिजानुदानं २ स्वस्त्युल्लाउपदीप उविदि
 गंजुवनं लाउपदीप श्रीस्वधुपनमः ॥ ॥ दिचदवल
 प्राचियं सफ अष्टादन चं विद्यान २ अवनल्लाउदिचि
 यसायकं च कामक्षिकूपनिधिनिखिलवदयनि ॥

ननरुधिनयाचिय २

गुञ्जचनधगि लुसलगगि पचिरावना. मनवसुमउरु
 यरुचसरुलिपूजा २ प्रशवपचिराजंथिसपु पचिपूचिता.
 रवउलनिधिसकनस्यंगुहर्ग ॥ ६० ॥ ~~नायपमउलि~~ ॥ ना
 नमाथ ॥ आदि ६१ न्यस्वलावविष्णु २ अनील अनीलकन्तर
 मी ॥ संरवमन्सिखलमारु ॥ सर्वमधुचसीस्थिर्ग ॥ ॥

अकशकिनीसर्वगगदव्यापितपूकीगवज्ञाचार्य ॥ ॥
 चिन्निगमानसांवाधिसुलाव ॥ अनेरुनसिद्धिपुदाना ॥ ॥
 गिसमाधियागमगुविन्यास. स्वस्वदेवपचिपूक ॥ ॥
 काष्टपाषाणमृत्तमयनूप. अद्वयनसंवदिया ॥ ॥ विष्णु
 कलिहामध्य अं काजजागं. कूयंगमजवलाव ॥ ॥ विष्णु

पंकजमधुअदयनूपं. सर्वदवपजिसंस्तिर्गं ॥ गुनचन
 २५॥ सिधेगगधनिया ॥ रुनेयिगधगगवज २ गिउवनव्यापि
 गगत्वस्वराव. रुतिं. रगगगग. धवीक्ष ॥ ५०३ ॥ ~~वागहलित~~
~~गाल~~ ॥ अनुरुजगथगानवंकाजराव. जलनूपचिंतिग
 विचित्रकलसं २ ॐ आहं कालवजा मृगमूदक. सफसं २५॥

धीगज्ञानमूसय. चद्राजमृगनसवाधिरुलदायक. सर्वज्ञिन
 व्यापिगसहजकलसं २ ॐ गगमल्लरं ॥ धिगगुन्यकनूरं ॥ व.
 सीसाजनासनविजद्वनूपं ॥ ० ॥ वज्रपुनमानमयुर्गधिवृसं
 रुकसंखसं ॥ धिगपंचपीयूरवं ॥ हंकाजमनुपूष्यसंगव
 न. वेडसं ॥ धिगविपाककलसं ॥ ॥ घटटमल्लसंगन

गफत्रयरावे. आकृष्टमधुकिनीकुलचूर्ण ॥ रुगिरिमाधनदे
 वगाचका. हानसत्त्वमानिर्मयहृदिकीजननी ॥ ॥ पाद्याभा
 दि. आचमनदानपूजनजन. समयचक्रप्रवर्तिनविमर्दक
 तस्य ॥ महाजागदुवीर्य. वाधिचिरुचूर्ण. समयसत्त्वहानच
 क्रमंकिर्तन ॥ ० ॥

॥ चतुर्विंशतिवसःवासकथाथेग. शुक्लचूर्णस्य ॥ धातुमहावि. यहायवृक
 मनिमकगसिचसः. वायुनिधविगा. दयचपिगवगात्रति. विभास्यन
 विविधिवरयनः. चिन्तामनिधविगा. जगिमय ॥ वाधिमवजपाति. लाद
 ॥ वदहिन ॥ उपजन. ववतज ॥ ॥ यदिदवगतः. लाकयायसहिगा ॥ श्रीशुव
 लाकवज. वायुनिधविगा. ॥ वागबलिग ॥ गालडय ॥ रुमती. गाल
 प. हानसत्त्वमानिर्मयहृदिकीजननी. निवासिमहासत्त्वगावमामकि
 सप्तधुदविनवजोवनि ॥ ॥ नमामिशावत्रि. वसिडाद. रुखजसम

यश्चेसाचिरा

रुमती. गाल

गोपवर्धन

यनाशा ॥ सातिरसाखविनयनमस्ति ॥ एकमखनिवायनीदवि ॥ ॥ गच्छ
दसरज ॥ अविः कर्कवधकवायः सवदयदिगियकव ॥ यागार्कगखदुधज
गजवज नवमवयदयथमकवा ॥ ०३ ॥ शययउद्वकसुगकधनवजः वधख
वार्गकमवधयज ॥ ॥ गिसवमगवः वजवगनः शयनिदनुकमागव ॥
॥ उं हहा कीहका वहयकवधूः मर्गाका येनुगावयग ॥ ॥ गतागवजः
हिनिमरुववाचन्यः यवगायवजः ऊयमावा ॥ ॥ वागघटकगाव ॥ गाय
माथ गोपवर्धनानिदविः चकिरुतकस्तिः लाचकमखवेरयिगवय

गोपवर्धन

धतिगा ॥ ससमानस्यगकिमंशुडिगा ॥ ॥ स्वस्वविजाहवेः समयन्नादधे
मामकि ॥ ॥ नमामि ॥ दविथीमामकिः नवजोवनगिनयः सवसुदवी ॥
यश्चकमसगयागः स्यासुवनवे ॥ वधिगचचना ॥ ॥ वागव्यानि ॥ गाय
माथ ॥ यिगवधूमामकिः देवीविधव्यायिगाः सुमगयानययः गायनिदवी ॥
॥ नवजोवनगवोवसुदवीः स्वस्ववीजाहवः समयन्नी ॥ ॥ च
किरुतुनकन्ठिताचकमखवा ॥ ॥ वदनसहकगगखिगा ॥ ॥ न
मामिवागानिदवीसुलधवी ॥ यज्यामिमनावादिगा ॥ ॥ सगयचचनः

२५३ महापारा ॥ १०

वृद्धात्मकयः स न स वया **२** दवा स वन वयं मदि ग ह दया ॥ **॥** उं आ हं
कीरवत्ता धन कालिग **२** दम च म च घ ष्ठ धनि विव मा आ न ड ॥ **॥** वा ग य
ध उ ति ॥ **गाल** मा थ ॥ यः स मा हा या णः स म या चा लि र व रु त द ग दी ग द ग
व व मा चा धि या व ॥ **॥** स म या आ न ड र न गि हा यि ॥ **॥** वी र्य वी र्य
व व था न्यः स ष्ठ व मा ह नि वि श्व रु ति या ॥ **॥** व हं का य व लि दा न द वी
दा न र्पा गि या वि घ्नि वि वा च य ॥ **॥** स य थी स म च मा डः का च च केः रु व डः
का य वि श्व रु ति या ॥ **॥** आ ग आ गि नि म पि या वि श्व ड न तिः स म या आ

२५३ महापारा ॥ ११

न ड र न गि हा यि ॥ **॥** सिं ह ना द वा डि या वः द म च य मा द **२** अ ष्ठ आ गिः
नि दा न र्पा य ॥ **॥** आ र्य ध य स व ध व यी या **२** क र्ण या च व न र न गि हा
यि ॥ **॥** वा ग मा म ॥ ग न स ष्ठ ल मा डः क लि ग हं का वा **२** आ लि का लि इ यि
वा य ह र वा ॥ **॥** न मा मि **२** नि वा र्य व गि र व न ना थ **२** व ड वा वा हि आ विः
ग ह स ष्ठ या ॥ **॥** क ष्ठ व ष्ठ च ड व द न गि न र **२** वि श्व रु वि स म ड च ड ह र ॥
अ कि लि वा मा र व लु वा हा र्पा यि नि **२** च ड द वी कि र्द गि वि वा सा ॥ **॥** उ रि
ग र व द म ष्ठाः क गि र्मा वि ल ध व **२** र न थी अ न य द व ह र क दा म्ब ॥ **॥** वा ग

कि लि क च ष्ठ

कवचिकाः सारिसुखा ॥ सर्गदशा वनदेशा ॥ सतिहा मात नागा ॥ ह मलो नः प्रहृताचनीयः

सिद्धयस्य ॥ १२

सिद्धयस्य वाचहः दिनकयमधुलः बाडिगगिरुवतऊनति ॥ यगगकनडय
गिनीनयनः मायचउयगडाऊदनी ॥ दविकप्रगिकयाचधया ॥ ॥ ररिखि
गताप्रमिचमायाः कमयकृपिसइयिगायवडाडयिता ॥ रियः सहडमैर
यिती ॥ ॥ चकीगिलकल्लुकेदलः कल्लुकल्लुकासागा ॥ हाथवाचक
कारियाडमखयः चयननाययः सुखनी ॥ ॥ गवयदयातयभऊध
यभः दाहिनिहानकायाया ॥ वावागावविवर्दिगः सनूरुवगगनसी
शयिती ॥ ॥ पइमवडयदः गियगगधयियाः गावयिहासकृपिः

समल्लुका ॥

समासकेशीः दयितनरावी ॥ कयादधानः समन्यनमभ्या ॥ मया नगरीः पितवाहतीना ॥ वलागनय कइयादिहा

उरयवाचनी ॥ १४

सा ॥ सनूरुवसिद्धियमादपदायतिः पुनसामिथीवडडागिती ॥ ॥
वागमधमगा ॥ गायमा ॥ ॥ डयवाहवीदविचवदवीधयनीः सययस
यामचवडिगचय ॥ ॥ गहहगगवगियाइकमयमहिमदिगतायय
वतऊनकावा ॥ हादवरयगा ॥ यवतविररिखिग ॥ तायययल्लुडलाया
गिनिगिनिगितयगितयतागहता ॥ ॥ कवगिरवययः चडमाल
ररिखिगा ॥ सधखवांगधविः सकृगकसिदिगवया ॥ ॥ शिचशी
सिध्वयधालिः वितयववगीगा ॥ कल्लुयिकयूरुययिगाभाया ॥ ॥

रह्यामासु क. सि. म. व. पा. इ. मा. न. म. ड. डि. म. य. व. स. ग. म. प. य. म. स. वि. ख. वा. न. इ. न. ग. वि. ला. र. व. । म. ड. डि. कि. ता. र. खि. ता. वा. ग. ड. डि. नि. ।

२ अमचानि ॥ १५ २ खगजानि

मनयिस्त्वमवजः वाच्यविदार्यः पुनरामिवज्जगिनिः रुदरुवयास्य ॥
वागव्यनि ॥ अमचानिदवस वाहविवाडिना २ गिरुवनमचवाचवः ॥
कन्या २ जकिनिवचगिनिवज वेवाचनी २ श्रीदवीगिसर्किगिरुवमा
गा ॥ ॐ ॥ नागिममुत्तमाडरुवनवाचनीः गिनिचकटादिनिनयता ॥ ॐ
गिनिचकटादिनिनयता २ गिरुवनवाचिना २ गिरुवनवाचिना २ गिरुवनवाचिना ॥ ॥ ३ ॥
उगिममुत्तमाडरुवनवाचिना २ श्रीवज्जगिनीयादमचनी ॥ ॥ ४ ॥ वा
कन्या ॥ खगजानिगीदीदवीगिरुवनवाचिनाः विप्रमाचहृदयीतिना

खगजानिहिया ॥

म ३

मनी ॥ ॥ नमामि २ दक्षिणावज्जवाचिः जडिर्मिद्विजयनिजगनज्ज
नि ॥ ॥ पूर्वदचगगवर्कवक्षीगि २ ॐ गानयामिनिदविः नीचवक्षीग
॥ वायुवामाहनिदविः गीगवक्षीग २ यथिममचाचिदविः गीचव
क्षीग ॥ ॥ नेचयैसंगामनीदविः रुविगवक्षीग २ दहिन्यचलुकादवि
धमवक्षीग ॥ ॥ चयुरुज्जगकाननय २ मूडागवत २ स्वस्ववीजामरु
वनवयसदिगमचवा ॥ ॥ ५ ॥ वागविरा ॥ नागिममुत्तमाडरुवनवा
ससमानमरुज्जस्वमानगगा ॥ ॥ दक्षिणागममिगडद्वेगगा २ गगनासः

शी ॥ १६

२ नागिनमुत्तमा

खयमाशुचिर्नगा॥ ॥सर्वेकवमुखनागवसिना दहितकचगिचम
 पायधविना॥ ॥वामखत्वाङ्गधऊधविना नवसिचमावविर्धविः
 ना॥ ॥गमवन्निस्वगवड्डइवगगिरीना॥ ॥ऊचमऊचमयुहुपायक
 विना॥ ॥**चाग**॥मण्डलममयचकः मण्डलमयष्टी॥**२**दादगएऊचउचा
 यियाच॥ **३**॥जानलुकचूनाः श्रीसम्बलऊगिरी॥**२**श्रीयवाङ्गनादवीः
 नाचूरीदवि॥ ॥जकिनिचामाखुताहायिनी॥**२**चाचिमाचचः
 उचाधिवयिमा॥ ॥कायवाकचिगिगितिरुवन्ता॥**२**दातययियाथुग

५५७

अथवा च ॥ ॥ अगगगगिनिमयियाः समयसंराव २ अष्टममसा
 कथीह च ॥ ॥ ॥ वागखत्वागा च ॥ वडडातिगिह च वाया २ पि
 रुवन २ नाथदहिमपाना ॥ ॥ योवयिचमहावसः महासखद्विया
 २ वडदहिहवियाः अतुरुवहान ॥ ॥ उर्वनाविगिदचकमलसंजा
 ग्य २ दहिवियाचपननमीरुदयि ॥ ॥ युडयिचयश्चमहासखद्वि
 या २ यश्चगीवसवीडवाचसी ॥ ॥ समयुच्यगदचदुधीरिखक
 यान्यश्चमीसमाचममूडा ॥ ॥ ॥ वागक ॥ नीलहंकाचपुहविग

२ वरुणाग्निनि॥ १८१ नीसकं

नित्राय साहः वपुनिष्पमा तदकी॥ पिता ॥ यः पित्रा कृत्यमाना॥ पियूषमंदहः सितावनमपयत

२३३५॥

॥ अथ विष्णोः ॥

१३। सपत्नीदः सपुत्राकिप्रमृताङ्गकैरुविनमः॥

[illegible]

समस्तैः ॥ २२ ॥

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ गोविन्दकाव्यमानः चरुर्गङ्गाजम्बू ॥ मन्त्रादिधर्मसंनयनानाम् ॥ मन्त्रकृतियं कथितमनिश

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सनातनधर्मः

卷二

हस्तदाकितिशार्दिगः॥ ॐ ॥ गताहं हं गताहं हं गताहं गताहं हं हं ॥
दहिनगडसत्रवामधस्तध्व१रुचरुगपद्माकयात्रध्व॥ ॐ ॥ वउघ
धगियत्रायनसूदपि१यहसिमकाटसिगात्र॥ ॐ ॥ यइमवूजयदमा
ध्वरुगडागियावधुयमुगिपूथपदे॥ ॐ ॥ रुवरुवरुवसर्ववध्वनम
त्रय१सर्वजगगडध्वन॥ ॐ ॥ विविधिमालवतविप्रविनासन१
सद्धिसिद्धवचदायक१उचमउचमद्वगयाखकचः॥ दिवर्द्धयत्रभ
ध्वन॥ ॐ ॥ ॐ ॥ वागवलिग॥ मथमध्वमग॥ छादगरुडध्वचउवद

॥ प्रत्यक्षम् ॥

水 道

卷之四

नः चतुर्वर्धनमिनिनययिथा ककचदं २ विश्वरूपविमलद्वन्द्वजगामक
गधनः सुखिगचकिहः सुलकलि ॥ ७ ॥ नमामिचवतथीचकसम्भ
वाया २ गिरुवनन्यायिगयिथा कचविद्या २ दगदीगमावसगवनी २ वि
विधिविघनगभविनासकवनी ॥ ८ ॥ वज्रघः उगज्जर्मदमचः स्व
हाम्भमूडमात्रहादगारुवनसखा ॥ ९ ॥ कचगिकयाचयचसूयाग
यिष्टचवक्तृगिर २ षष्ठमहारुवनयकविना ॥ १० ॥ गिचकचलविम
गिमसुलमाङ्गयिनि २ वज्रवाचाहियहायाविगदा ॥ ११ ॥ द्युगिरि

नो ह्येतादृशं नृचिंतितं नृचिंतयन् ॥ नृका सनत्तु वडवाचनमुद्रा ३५ क तो वयं क म न म स्वा क्कण तिथी तव वं सक न मा

वो व वा ॥ २५ ॥

वग्धवमधुयुवन ॥ एक विवासायि सहजान्धमरुणि ॥ ० ॥ वड
सवतागगमादुधावस्वामि ॥ बटगमि व व न य ह्व र ग नि ना स नि ॥ ५ ॥
आगमनदुवडयदसवसताः मुद्धिमिद्धिदाहयोहववसतन ॥
० ॥ यग रे व वि ॥ मा य ॥ मान ॥ उं मा ॥ रुग म क म हा म कु वि ग
म व वा य हा ॥ य जा ए डि ॥ न यू ज सं ख व ॥ स ल व य म्मा ग र व ह लु व ड ख खा
खा हि ग ह लि व वि र जा ॥ वं य घ या ड य घा ग य वि प्र व ॥ पं च मि रा न स
यं च म ह वि थ यं च ह न म व लि ता ॥ सर्व य द न्ना क म र्गा य म पि भा थ

वो व वा ॥ २५ ॥

नो ह्येतादृशं नृचिंतितं नृचिंतयन् ॥ नृका सनत्तु वडवाचनमुद्रा ३५ क तो वयं क म न म स्वा क्कण तिथी तव वं सक न मा

२५ ॥ २५ ॥

यसा व ॥ अक म कि ता दि सा ह म्मा न ॥ ० ॥ व लि थ क ग क थ व ॥
॥ स म या गा व द्धु मा क्क सि धि व ॥ स ख स र ग व प द वि थु दि व ॥ ५ ॥
थे डा ज ॥ थे व रु ज पि व थ व ॥ डि य म मा थि का म थ व ॥ ० ॥ द न य मि स व
का र्थि मि धि व ॥ म ना च थ म र्म स र य म्मा कि व ॥ सा व र्मा व ग थ ग म व थ
न स व हा हा थ का व र डा ह र व ॥ ० ॥ ॥ ग ग वि क्क म्मा ॥ हं हं हं ॥ २ ॥ हं हं
ध व ॥ स सा व ग र व ॥ हं द न्ना वि ग र डा ग थ व ॥ ह व जा उ व ॥ २ ॥ जा हं ॥
ह व जा उ व म ना हं हं हं ॥ म ना ॥ म म हं हं हं हं ॥ म व न च व दि म च व न व

वो व वा ॥ २५ ॥

१॥ इति श्री...

चः रुसुमविचयतः आगधर ॥ ॐ ॥ रागविमरुगः विमरुसुमरु ॥ २ ॥
 क्रुडः कागियात्रा ॥ ॐ ॥ नमामि ॥ श्रीहवडा ॥ उक्रुडः योययात्रा ॥
 ३ ॥ ॥ वागमहयि ॥ हादमागवयकियाविचयसुमवः धवयीवा
 विनयमा ॥ उक्रुवावनेः मधुपसमस्वानः मरुगकसिदिगीववा
 ललमाववसमववाया ॥ सहजसुविभाचकावा ॥ हसविवाहियव
 जवावाहिः रुंदासहिः वमाचकावा ॥ गाविः वरीयनववसहमयत ॥ क
 कर्पववयिगाभावा ॥ गगदातिवावधुर्विचयकावा ॥ मवमसुनरु

१॥ इति श्री...

विना ॥ ॐ ॥ गिर्यव नरुवागि ॥ उक्रुदिगधवासमवः पयिसयिथुनरुवगा
 वा ॥ हसविवाहियववजवावाहि ॥ उक्रुविनदवहसधवा ॥ ॐ ॥ ग
 वकिविवावजहयियागाविगस ॥ सगयुचवववावाध ॥ समया
 गातडः रुविगधवासमवः समववजवावाहि ॥ ॐ ॥ ॥ वागय
 इति ॥ गिहंदाचाययिथगिदिदहकवावि ॥ कसववविमघनः कव
 रुनविवा ॥ ॐ ॥ जागियिथुक्रुविनरुवनरुनजिवयि ॥ गावामहचः
 वियाचः कसवसयीवयि ॥ ॐ ॥ रुयहंथागिदिवयनजायि ॥ मवि

२ विविहवि ॥ ३ ॥

कलवहिया वडादिया नममाना ॥ ॐ ॥ साग्रहघवघवकचिकं गावि
चदसुय इयियदुनरीदा ॥ ॐ ॥ रुतयीरुदामविहवाः कं इचवीः
चा २ नचताविमापः डरुयविवा ॥ ॐ ॥ ॥ वागरेववामान
ॐ ॥ विविहविहव नचमाचविससिवदन २ दवानचसुचगदाः
शुवनहशुक चडा ॥ ॐ ॥ नीचेचनमामिथीसस्तचवीचा २ वडयाः
गिहिवगिचमाः सुयसिगीचा ॥ ॐ ॥ वडवाचाहिआविगदाकाथ २
चरिसविचविचवचसहजानदा ॥ ॐ ॥ गमकदहनविम्वमीससु

खडवा

२ चक्रिकुल ॥ ३ ॥

दश २ कचनचनवाचनवायाकखन ॥ ॐ ॥ द्वादगगडधाचिवचापि
चववदन २ विचमगावगगदशुहयीना ॥ ॐ ॥ वागगमउमि ॥ च
किकुलकणिचाचकमखचगविगशीवचुचनलमिचमाचा
२ सचाचकचकिचयाकमाविरुविगगगदशुहविचंधविवाचा २
संवसगिहचवः दहमाचकाचाः शगनाथसहडडाचा २ वडकचा
नकहाथाधविवाः काथिवदखवाग्या ॥ ॐ ॥ सीपुगडागिडीकम
चविहाथिग्याः महासुखमविषगद ॥ ॐ ॥ वडवाचाहिआविग

खडवा

राशिपानि॥

३३

अथ दशग्याव॥ ३३

लसम्भः ताश्चिवहविहगेय॥ ॐ ॥ वाचुनिकाचविकिदगिहचव
 स्रुद्धराडाहचनयभादा॥ ॐ ॥ सहउसुमेयीयेयाः भवन्तिनश्रयाः ह
 वृवचचनपलभाद॥ ॐ ॥ यहाभाभिगडाहचवनिवावर्षु॥ विशा
 सयिसुन्यकन्नता॥ ॐ ॥ ॥ गिसिद्धयडावचा॥ ॥ अथ
 चचा॥ ॥ वागमावडा॥ गानमानडा॥ वडिदीधायिवमाचिच
 छविनि ॥ सिधिनोवापिडीडवकडयाकिडी॥ ॐ ॥ नमामिथी
 डागामचहानयची ॥ गिनित्रहृदवीः गिरुवनयविगा॥ ॐ

राशिपानि॥

पूर्वडरुचयथिमददिदिगंदवीः जकिनीदवीडीचउमिक्वा
 डनिता॥ ॐ ॥ चयुवदिगंयुद्धरुचनयुदवी ॥ गिनिगिनिदवीनाश्च
 यीदवी॥ ॐ ॥ हविहचवक्ता ॥ इमसूचगडाः वादगडागिनीस
 मचसीगाव्या॥ ५ ॥ ॥ वागमावडा॥ गानमानडा॥ अथदशग्यावदिगं
 विदिगंरुवनः धंसिचमाचयुवगडाः गगडागगगगडाचनड
 नकाचाः गगडादामलवऊघळवाडिया॥ ॐ ॥ हंरुहंनमामिथीच
 जशकिडीयश्चगामिः हानदाकिडीसचनहग्या॥ ॐ ॥ पूर्वडरु

नमामि ॥ ३२

वयसिमददिः चतुर्वर्गवत् ॥ विप्रमाचविप्रस्त्रियाः वरुणकिः
सीधाचवगाचजकिदीः चतुर्वर्गवत् ॥ ॐ ॥ सिद्धिदी
वापिर्जवृकडवाकिदीः स्वर्गगयचतुर्वर्गसहस्र ॥ जकिदीदविदी
चतुर्वर्गवत् ॥ धाचजचमेवजकामवदत् ॥ ॐ ॥ दिनजन्तनिद
विजकिदीयुपयिसचक्षः यश्चमृडाकचक्षस्त्रियाः स्वर्गह
कवृद्धयश्चस्वर्गगयायः यनमामिदवीशीहानदवी ॥ ॐ ॥ ॥
वागवत् ॥ नमामि ॥ दिनधायुक्चक्षवत् चतुर्वर्गमिगिआचक्षमा

नमामि ॥ ३३

॥ यश्चहानयचक्षायुक्चक्षवत् ॥ वृद्धधर्मसंघआचक्षवत् ॥ ॐ ॥ न
ताह ॥ ३३ गगनसंसाचक्षवत् चिद्यामनाहवः नमामि नमामि यश्चदिः
नमामि ॥ ॐ ॥ नमामि ॥ शोसानिप्रचक्षवत् ॥ सुद्धिमिद्धिवचदायनि
॥ इतिगवत्सर्वयायकचक्षवत् ॥ दानप्रक्षयहमाक्षयदा ॥ ॐ
॥ वाग ॥ नमामि ॥ धर्मधायुक्वागवत् ॥ वादगदुडायचिमच्छिः
मा ॥ वादगमाचक्षवत् ॥ नकावाः सर्वदक्षयचिमच्छिः ॥ ॐ ॥ न
नामाः नमामि ॥ नमामि ॥ ॐ ॥ नमामि ॥ वागवत्सर्वयदागो

२ गङ्गा जिन ॥ ३० ॥

विनिमिनिवासिना २ सखविभादनः इन्द्रगितागनयनमामिः जिन
चक्रश्रवणी ॥ ५ ॥ ॥ वागविवि ॥ गङ्गा जिन उद्धृता ध्वनिः क
मचक्रविमर्शकसवावा २ उमचक्रवैगिकथाचविश्रुतावामखत्वा
इकयाचत्ता ॥ ० ॥ ॥ ॥ थीसमयवाययवाचविश्रुतावामचत्ता
२ माचयिचचाययियालमायाः सहजस्वगावगाचविता २ यागव
क्रमः द्वादशहाथध्वनियादनचमिचमाया २ विश्वकलीसमर्द्ध
चङ्कगाङ्कः वाचचिमीखगमूदा २ आविष्टयथागचक्षचाययि

॥ सम्यक् ॥

२ यमादिगा ॥ ३६ ॥

वश्रवः काविचादिनमूदा २ नीलहविगवाहिनप्रनकमयः च
युमखमविकलाचत्ता २ कृषिर्माविचविलध्वचनारयकः गितिचक्र
महाविचविद्या कृत्तक्षसर्गावाविचविचवश्रवचक्रुडयिमयचम
साचत्ता ॥ ५ ॥ ॥ वागमधुमगः गातम ॥ यमादिगावादिदगर
मिसदलिसनमचमकुलसस्त्रीगयता २ द्वादशगङ्गाचउवदनः
स्वगाः वङ्गावादिमाविगता ॥ ० ॥ ॥ ॥ २ हं दगदीगरवतः
माचमयचसमचववाधियाच २ द्वादशाविजक्षसूदयस्वगावः ता

॥ स्वकसम्यक् ॥

ॐ शिवसमस्तनवाया ॥ ॐ ॥ कृपिगघण्डगडलमीशिश्वारक
 शिदमत्रुग्रहसागामिना ॥ ॐ ॥ मद्राप्रवीसगकयाचखत्वा ॥ ॐ ॥
 सयचसुवमगिचया ॥ ॐ ॥ यश्चिजिनवचमकन कचवकुनयड
 मद्रासागयनयुधिना ॥ ॐ ॥ सातिकालिश्यासाविटत्रायिग्याः
 घचमनिवासनकसुमन ॥ ॐ ॥ नचगिचमायाचम्वयीसमय
 दिव्यचमिनिक्कनोदया ॥ ॐ ॥ ऊचमऊचमकचुडययि

सवनममवक्रियचमाचवडडमीना ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
 ॐ ॥ ॐ ॥ दिमडदिमस्तयिनयना ॥ मद्रककगदिमववा ॥ गता
 कागत्रामाः गहहहसोमा ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ चामकयाचकक दहिक्कच
 निःसादसातयनदिहविना ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ सयमचुचमाभुः ॥ ॐ ॥ दवम
 चमि नचमिचमान सगिहलीना ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ चमचुचलनसिल
 मद्राचिया ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ममिथाचुचवाहिसाविगना ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
 वागचका ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ अडाहोनामममडानलसर्वहखमीकि

ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥

ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥

ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥

ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥

ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥

लक्ष्मामाचमैणाः प्रागाध्वमाहवधिचयासाः गिरुवननयाया
 मूचलनीचा ॥ ॐ ॥ नमामिथीचदमहालाखराजागमयुगति
 छुडिना ॥ ॐ ॥ विश्वनाथविश्वव्यापिनः विचित्रिकममहा
 काधवाया ॥ ॐ ॥ अगिरिखनागाऽऽनयचडाः दष्टकायावि
 दिकिचता ॥ २ ॥ यदिगमूधवाककचनयताः वेचिसकासाचाख
 हसचता ॥ ॐ ॥ माधवमायाः पूर्वदचवप्राचूडयिगाथापाद
 वरचका ॥ २ ॥ समचसमायाप्रागविभाहाः हाननगममादिव

रविनादरीतिः दयिर्नचमोविासकाकनिचाः मनचाननियी ॥ कर्धदधानाः सिनविषयपूयावानागतानि ॥ कथिर्न

यामारययो ॥ ४१

दहा ॥ ॐ ॥ चत्वारचनपडाविगमापिः कयूचतापूलचनइ
 सकाचा ॥ २ ॥ सूचनचतागावदिगचचताः प्रायसूचयवचन
 धिया ॥ १ ॥ ॥ वागवायादि ॥ वामखर्यचदहिनेकचगिधवा
 २ ॥ यायचतापूचमूधमाचरुधिगा ॥ नाश्चयिचकडगिचकडागिः
 द्या ॥ ॐ ॥ गितिनरुदवीः गिरुवननपवीस ॥ २ ॥ धूचसूदनमनिः
 तिचकूचदवी ॥ ॐ ॥ सूनायाचदवीः सूनायुखरावा ॥ ॐ ॥
 काचमयूहयिः यासावधिया ॥ २ ॥ प्रागाध्वमाहः कचगिनच्छदि

वरुजागिति ॥

सुवर्णपत्रागः सुवर्णपत्रावा॥ निर्वर्तिवर्तनं वपुर्ववर्तनं॥ कीर्तिवर्तनं॥ कर्तिवर्तनं॥ मानवार्तनं॥ कामकर्तिवर्तनं॥

॥ कामकर्तिवर्तनं॥ ४२

मा॥ ५ ॥ श्रीष्टिसीताचदवीः गात्रादिदवी २ मादमात्रदवीः २
 क्रयदसचन॥ ॥ ५ ॥ वागवा मकति॥ कमचविकासिगः सि
 गिविधसुनः क्रमदयीयवर्तनसमदहा २ येचववदतः कवच
 यदचसुनः नाययकासिगा॥ ७ ॥ तमामी स्थीमहा मईथीः स
 कचरुषायाथचरुच॥ ७ ॥ कमगिदहनहनवलयदः स
 वरुहाननिधिसागवा॥ ७ ॥ यथमकचद्वयः धातिगवजघन
 मूलाश्रयिगक्षवाडिगा २ दिगिगिगुसः गिगियहानसुधः २

॥ मईथी॥

उथर्वर्तनसर्वद्वयधवा॥ ७ ॥ उगयगडपागः सुवर्तनधमीम
 डाः चरुथवा मयूरका २ चतमकगमिचयकविगः किविचः
 मध्वरुस चविदवा॥ ७ ॥ निर्वर्तिवर्तिवर्तिवर्तिः निमिगकति
 गाः सर्वद्वयहाननिधिरुवपदागा॥ ७ ॥ चरुथचतमचतमा
 त्रगः यचमायवज्जुमैनि॥ ५ ॥ वागवा मकति॥ ७ ॥ म
 दनिजचमनिः वायुमभुतः उत्पत्तिगशीलुभत्र २ तानाचत
 मयः कविगडकगः गजसहसशीलुभत्र॥ ७ ॥ तमामिस्थीय

॥ मरुति॥ ४३

॥ चरुसत्य॥

च वज्रसत्तः अनगद्योनिधिसागवा २ विप्रनाथविप्रवाः
 पिताः उच्यते उच्यते न संयुज्जिना ॥ ॐ ॥ साका सवर्धन स्वनयन
 सविगाच वज्रघृष्टध्वनिगा ॥ ॐ ॥ गिरिक सवर्धन सवर्धनः
 स्वः यत्नमकृगगिना ॥ ॐ ॥ चतुर्भुज सवर्धन सिद्धीवचः स
 त्वयर्थक सस्त्रीगा ॥ ॐ ॥ चतुर्भुज दियोदेर्गजवत्तादिः यत्नमकृ
 तसंयुज्जिना ॥ ॐ ॥ विप्रनाथ दिगं गत नमि विना सवर्धनः युज्जि
 निवज्रतगीना ॥ ॐ ॥ सादिमिहिवचसदाजाः सवर्धनहान

श्रीकृष्णाय नमः ॥ १५४

हवयंदागा ॥ ॐ ॥ ॥ चमदति ॥ ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीविष्णु
 वननिवासिगः श्रीमन्नाममिचमाचिहवा ॥ ॐ ॥ नमामि श्यो
 आनदादिना कश्चनः विष्णुवनवापिना शुभमगा ॥ ॐ ॥ सति
 मयसातिगः यवचजगाधवः चर्कचर्ककमचासन ॥ ॐ ॥ वेम
 वागसंरुकाः सुनरुहानयमाः गरुकिं मुकिं वचसंयाक ॥ ॐ
 ३ ॥ अवनमनाहवः वागसागमिमुगः विप्रविनासनगा ॥ ॐ

श्रीकृष्णाय नमः ॥

२३ दिगं २३ दिगं २३ दिगं

स्वया॥ ॐ ॥ श्रीमन्नकनागवाजाः समन्ताहवः वागमगिणि
थीनिवासिना॥ ॐ ॥ सगुच्छचचनः गिचगमधविद्याः यन
मामिथीनाकस्वया॥ यदं॥ ५ ॥ ॥ वागयय॥ ३३ ति॥ उदिग
शुचनकमवासनकिचन॥ चविगयदस्मिन्वचगगावा॥
ॐ ॥ निमाचददयकचनमयनाथ॥ दहिभूयवचयदाः
ना॥ ॐ ॥ शुक्लदडाङ्गमङ्गमस्यना॥ ॐ ॥ गिउडानवापिगः
उगमउधविद्या॥ यनमामिथीवृगमसाकस्वया॥ ॐ ॥ कन

वृगदव॥

२३ दिगं २३ दिगं २३ दिगं

कचवमनिहाचविशुखिना॥ कनकसुगधवि॥ वामकमच
धयः वचसागयना॥ सहजानदमृगिधवा॥ ॐ ॥ शुचनच
उदकिन्नचयुडियावा॥ चवागचचनसिचधविद्या॥ ॐ ॥ गि
मिचधाचखचभाक्यदागा॥ दसनयायइखहचन॥ ॐ ॥ चः
केवर्धनयनसवाचन॥ सर्वचकनसंयुक्त॥ ॐ ॥ चतखवि
गुच्छगधविवाक्यवा॥ मथमभुतखवविडिया॥ ५ ॥ ॥
वागवतिग॥ ॥ शुद्धदचस४ वाउउत्यवयकासिग श्रीसाकसू

रुगवाना॥

२सुप्रतिमसुप्रति॥२८

नाचनिदिदि२सुप्रतिगतिच२नडागिमया॥ ॐ ॥ सुप्रतिमसुप्रति
सुप्रतिचदायनिदिदि२ऊचमऊचमसुप्रतिपायसचन्या॥ ॐ ॥ सुप्रति
दगासुप्रतिमसुप्रति॥ गतमार्थ॥ ॐ ॥ सुप्रतिमसुप्रतिमः सुप्रतिमसुप्रति
उच्चिगसुप्रतिगुयगाकविगाना॥ सुप्रतिगनादिगुयमन्यकं२गदत
चगीगवचनमनोगा॥ ॐ ॥ यश्चवद्व्यात्मकसर्वज्ञज्ञाय२यश्चक
नागकचिर्नकुदिवी॥ ॐ ॥ जागहियकुमहासुप्रतिनामा२तन्मार्थ
गीगवचनमनोगा॥ ॐ ॥ यश्चवद्व्यात्मकसर्वज्ञज्ञाय२यश्चक

२सुप्रतिमसुप्रति॥२८

चपिचचरुदचनीय॥ ॐ ॥ वृद्धचचीचचवृद्धशुनाक२यकनि
दातुगविदसुप्रतिग॥ ॐ ॥ वद्व्यात्मकसर्वज्ञज्ञाय२यश्चक
वृद्ध॥ ॐ ॥ वाचिदिदितावनयाविद्यविग२दसकचयमाद॥
ॐ ॥ गताह२गताह२गताह२गताह॥ ॐ ॥ ॥ जागना
मकति॥ ह्ययिष्टमनः सुप्रतिगदहाः महावजगसदसुप्रतिवर्ज
ॐ ॥ यकवदतमागिगतिनयना२सिंघादियमवद्व्यात्मकसर्व
ॐ ॥ नमामिथीव्यात्मकमितिदिदिः सकचजागितिदिदिगसुप्रति

२सुप्रतिमसुप्रति॥२८

ॐ ॥ दानवदण्डमाविगविनासतिः शिष्टानामाहमर्कियदाय
 नि॥ ॐ ॥ दहिनशुद्धमर्कधविगः शिष्टानां शिष्टानां कवि
 वविनासा॥ ॐ ॥ वामदव्यशुद्धधविगवत्तवासिः सकचसत्त
 सखयदायनि॥ ॐ ॥ चतुषचिगापद्विगमकृणाः निमाचवि
 गनमध्वनिवासिनि॥ ॐ ॥ सिन्धुज्वलाश्रिमन्तद्वचचतुर्थ
 शुद्धहानयदायनि॥ ॐ ॥ गङ्गागिह्वनवज्जलपथिसचताः ह्वन
 निधिचचनसिन्धुतमिगा॥ ॐ ॥ वागगताजति॥ चतुर्क

२२५५५

२२५५५

तः चम्पादचः गितायनाः सुधमाता सुचमिह्वनपिगा॥ ॐ ॥ ग
 नाका३॥ घाघवन्तडवहाथाः पचशुध्वच२॥ शुद्धमूलमृद्धसूयध्ववि
 गा॥ ॐ ॥ उक्तनिम्नमृद्धिमाहतिः आकर्षति२॥ आदिमध्वान्नक
 शुद्धकल्याणमिगा॥ ॐ ॥ स्वप्नमध्वयागाचः शिष्टवन्त२॥ गगवनि
 युद्धिचसर्वकार्यसिद्धि॥ ॐ ॥ ॥ वागवितास ॥ दिशुद्धचकम
 खः चर्कवचन२॥ तगतमकृणकगगिनिवांती॥ ॐ ॥ नमामिद
 विवृद्धजकिनिः विवृद्धनति२॥ शिष्टवन्तवापिगः जितह्वनदा

२२५५५

२२५५५

२२५५५

उपगमात्तयत्ता २२

यति॥ ॐ ॥ दहिनकचवडविचामिगदधमि॥ वामकयागकाः
चयुमाचयिवयि॥ ॐ ॥ गत्रतिमभुचमाडउदियागमत॥ चग
नयूचवचगनगयवमि॥ ॐ ॥ श्रीविद्याधविदविः सूचनचम
हिना॥ मकचमदिमिदिदहिमागा॥ ५॥ ॥ वागमातवा॥ सः
थवतिन॥ उचंगमातवतसाहिगनवसाता॥ २००॥ उनीचयमिपि
मचकगः एकमातिः डगदनूकयकपायुनदवी॥ ॐ ॥ इष्टमाच

इष्टमाच॥

उपगमात्तयत्ता २३

विनासनिदवी॥ चकनयतिनिनिमडमाचा॥ ॐ ॥ खडकचः
मिकयाचनिचातय॥ वार्धचर्मवसपणाविद्यचवादचयना
चुद्धा॥ ॐ ॥ चचनमचनः श्रीउयगाचिनिमागा भूमाघवड
गीगाचयिगा॥ ५॥ ॥ वागमूददि॥ थववादि॥ उचडचकः
कचदिनकचमलिगा॥ वाहिगवधुडगामकगमलिगा॥ ॐ
यतमामिदवीथीउयगाचाऊमिनि॥ रवइखनासलिभाकस
दायति॥ ॐ ॥ यनिमखयितयनः मिडवतव्यापिगा॥ नचः

इष्टमाच॥

२५॥ निधाय ॥ २४॥

सि वमाचयुखि कसा शिगा दहा ॥ ॐ ॥ शिखुवन नस्ति मिः शुभिसं
हाय कर्त्तु १ पतमा मिथगा सती दवी ऊ गिनी ॥ ॐ ॥ रुनयिषव
मायव ऊ ऊ मीयिष १ सगयु च च वत क म च वदिगा ॥ ॥ वा
गङ्गे च के ॥ गा न च क गाल ॥ अगिधा च वतः सुसिर्गा ग म च मि
१ खर्ष स मूद माचः व्याघ्र च मी र पिगा ॥ ॐ ॥ न ह ह तां गा १ न मा
मि श्शी खर्ज म हां का च ॥ ॐ ॥ दहि न क च मि ध्याः वाम पि सूचा

२५॥ निधाय ॥ २४॥

२५॥ निधाय ॥ २४॥

१ साद सा र वत युषि ग द हा ॥ ॐ ॥ सक च मा च व लः दर्प नि ह
गा १ सू च न ल व दि ग र य र य ह च ता ॥ ॐ ॥ मर्द्धि सिद्धि व च दा
य क द वा १ शिखुवन वि सि ग यी म हां का च स त ना ॥ ॐ ॥ वा
ग क न पि यी म श्शे ना ध व चः महा चि न वि ऊ या १ च द हा स ख र्ग
ना ग वा स द ह रु च ॥ ॐ ॥ न मा मि श्शी म श्शे क्क मा च १ ऊ ग दि त
च ऊ ग ग यु च र व न व्या पि गा ॥ ॐ ॥ प्र पू क ध य यु र य च म यु च
चा या १ यी ध मी वा यु रु नः न या च म लु ल रु ला ॥ ॐ ॥ ऊ ग ग ना

२५॥ निधाय ॥ २४॥

२३०
॥२३॥

थङ्गगगः निवर्त्तनवाह ॥ सर्वसासुविता च दयद्विगतिवर्त्त
॥ ॥ वागमावडा ॥ चर्कवर्त्तनक मस्वदिगङ्गचर्कवि
नय ॥ दहितगगधवमहागं च वमृचगि ॥ ॥ नमामिथीगि
मस्य नयचमभयच ॥ वामशुङ्गयाग नधसासनमदति ॥ ॥
इयामिगं वाक्युवसुद्विदवि ॥ कृषुवर्त्तवदतइयकासिका
सहिगा ॥ ॥ सुधवागुयुतचासुमचसुमङ्गचा ॥ उगगससा
चयगाङ्गसिद्धिचा ॥ ॥ उगगमातावाङ्गिगगिसिह चदहि

रतिंधाव

२३१
॥२४॥
॥२५॥
॥२६॥
॥२७॥
॥२८॥
॥२९॥
॥३०॥
॥३१॥
॥३२॥
॥३३॥
॥३४॥
॥३५॥
॥३६॥
॥३७॥
॥३८॥
॥३९॥
॥४०॥
॥४१॥
॥४२॥
॥४३॥
॥४४॥
॥४५॥
॥४६॥
॥४७॥
॥४८॥
॥४९॥
॥५०॥
॥५१॥
॥५२॥
॥५३॥
॥५४॥
॥५५॥
॥५६॥
॥५७॥
॥५८॥
॥५९॥
॥६०॥
॥६१॥
॥६२॥
॥६३॥
॥६४॥
॥६५॥
॥६६॥
॥६७॥
॥६८॥
॥६९॥
॥७०॥
॥७१॥
॥७२॥
॥७३॥
॥७४॥
॥७५॥
॥७६॥
॥७७॥
॥७८॥
॥७९॥
॥८०॥
॥८१॥
॥८२॥
॥८३॥
॥८४॥
॥८५॥
॥८६॥
॥८७॥
॥८८॥
॥८९॥
॥९०॥
॥९१॥
॥९२॥
॥९३॥
॥९४॥
॥९५॥
॥९६॥
॥९७॥
॥९८॥
॥९९॥
॥१००॥

२३२
॥२३॥

भ ॥ सगगुचचचतः वचपसाधसिद्धिभा ॥ ॥ रावांरावच
नयसाधसिद्धिभ ॥ चवमाचयीधिगवडाचार्यरुतयीच ॥
॥ ॥ अमिगयगदवयीचाङ्गगिगा ॥ ॥ ॥ वागधनायी
गङ्गसुखणिनयनगाचवयवर्गः निग्याधिपगिथीगायस्वचा
॥ ॥ हवांमनिमकाः चत्तागचताः गइचनेकिचनसयासा ॥ ॥
मालियाविप्रमालियादयः मालियाइस्वविनासन ॥ ॥ माचिया
मायामाचसयासाः भवडाधइस्वविनासिगा ॥ ॥ ॥ यचसुवा

२३३
॥२४॥

नौकृगवजखर्वयः शिद्धि गयचरुणिदहि नकाया २ मूसवध
नूखलंगखर्वयः कया चरुचकचूवाभा ॥ ७ ॥ विप्रिल्वर्क
चूगकचूवमाः ऊगाऊकीमनिमष्टिगा २ चम्पादचचम्पादच
एग्गाः पायचडिमिडिमिवाडीके ॥ ८ ॥ चत्तागचधिगविम
चत्तगविगाः मुखिकमुखसूगिसूडचा २ दिह्लादल्हाउमसूख
दागानमस्तुनमस्तुयीगक्षश्चचा ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ उन्नमठ्ठी
गक्षमथुलाय ॥ वंदरुवादिनिमयसंगावर्तः पुण्यासथासल

[illegible]

बुद्ध मान बुद्धिमान

धर्मरत्न ब्रह्मचर्य धर्म श्री महाविहार

II-272

४३४ स्वमनकसः स्वचक्रसंपूर्णप्रणिगयः च धारणकहेतिव
 ध्यानिः ऊर्मागः च रवभादसा ज्ञानात्मना ह वागयावचः
 मात्सगीर्गः निमग्नवायवः प्रणमगध्विर्गः मद्राननामनं
 यवावधयः दीपः चद्रयहार्जः च समययवाकसर्पः ॥ श्रीवज्र
 सत्वयविबुधः महेश्वरः त्वं स सा च ४४ स्वः यविमर्कः गवाव
 चवर्द्ध ॥ गश्वाचीयुगवचनेवयः चक्रनमामिसिचसा ॐ
 श्रीनमस्तुभ ॥ नमस्तुभ किनवचकनायकनमस्तुभ ॥ ३३ ॥

गाम्बचक्रनाथायकनमस्तुः श्रीवज्रचक्रनाथायकनमस्तु
 श्रीसम्बचक्रनाथायकनमस्तु ॥ श्रीवज्रवाचादिचक्रनाथा
 यकशा नमस्तु शक्तिनीचामिकागधनमानमः प्रियतिरुदः
 ललाकेशिचक्रविनासगदीचनिर्गः काकासा नायादिगयाः
 चक्रवृक्षः विद्यध्वनीवीचगर्जनमासाह ॥ निस्यस्वसकसह
 र्प ॥ गवचिर्गडयपिथपिथः कृष्णयक्ष्णः कृष्णयक्ष्णः भवा
 यकमनायक ॥ ३४ ॥ नमस्तु नवाः पादिचवस्तुमनिर्ग चर्मपा

वृद्धः धर्मः संधः नाथागमो नमस्तु नैः गनचकयवस्तुग ॥
 सनाकाः कलाकयुवः सचकिने ॥ विगाविगावाः ऊगगाविम्य
 हिगासायमनाकर्णमस्तु नैः नमस्तु गदाचकमर्कमै ॥ सयुर्गुसः
 वृगगाः सनाचथपदः सर्वनदानादिनाः पृक्तः सर्वविकल्पमहा
 चगनैः शक्तिनीहचकादिनायकचकयसिदस्तुग ॥ जिनयुः
 लहानदयमादुपदः गणाचार्यकयाक्कादशागहसानिर्गुपस
 या ॥ वाचवास्वयदमास्तु ॥ शुकः सर्वसर्वसर्वयायायचकैः यः

इति ॥ ३८

विवस्तुगः जिनयुः लहानदयमादुपदः ॥ याग्यायमयागदाम
 नैगमसर्वतादिनासर्वयमसाः चयायवचविरुवः प्राशगिवा
 ऊयीर्यगदाचकगाथायुहायुहा ॥ ॥ ॥ **आगगाग** ॥ द्वि
 सचवचविवासायिकगम ॥ ३० ॥ उर्थरुवाचामस्तु नैः वायागुमी ॥ ॥
 पृक्तगगतिवासियावा ॥ ॥ ॥ अमियममियाः सचकविवासायी
 ॥ सहजसुदवीचयाजिनहृवः ययिसयिनाः श्रिया ॥ ॥ ॥ चचउ
 आगिदिपकनमचा ॥ वजवाचाहिजादिर्गैः काचयिनाः श्रिया

स्वकस्तुव ॥

२५५॥७॥

ॐ ॥ उर्थरुवावा ॥ क इना क वा वि २ ऊय आ वि र्ग नि वा व
र्तुः वा ऊ यि ना श्रु यि ॥ ॐ ॥ उर्थरुवावा ॥ श्री सम्वचः व ऊ वा वा
हि आ वि र्ग नि वा सि या य ॥ ६ ॥ ॥ ॥ ॐ ॥ अ यि तु ह वि द द
क थः व च न गी मा ह च पा व कः क वा दा य व नाः च वि ग सि ध वा
व द्वा या स गी ति हेः च गी द ग दि ग ष गिः सह ग द्वाः इ द्वा न्य मा वा
द य निः का रा स ष गिः क च य नि सर्व वि धा ष गि ध्रु व ॥ ७ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

थ न या ग का क्रि य ॥ ॐ ॥ उं सर्व ना थ ग ना ग भः सर्व ना थ ग ना
च यः सर्व ध र्मा ग द्वा च भः द स म भु लै म र्कै मी ॥ ग भ ऋ ध र्मा ग सी र
गं ह न च यी वि श्रु द्ध कः स म क रु द चि या यी ॥ ता ख म भु लै म र्कै
मैः सर्व च द न सं षु र्धः स द्वा च द न वि व र्जि गैः स म क रु द चि या
गैः म नो म भु लै म र्कै मैः सर्व स त्व म हा चि र्कः शु द्ध य द्वा गि ति र्म न
स म क रु द चि या गैः धा ख म भु लै सा च यि ॥ ता गि र्क उ र्थ र व ॥
॥ वा ग ना म क ॥ चा सि च व न च उ चा य यि च उ मा वा २ आ थ

२५५॥७॥

वदन्त्यपि मुखे नित्यं ॥ नाश्रयिह नृवः नेवात्मादविमदिगा ॥
 ॐ ॥ मृष्टजोगिदीमजीमहासुखद्वयम् ॥ ॐ ॥ कष्टवर्धन
 खादगगलुधविचः व्याघ्रचर्मचसर्पिगचक्रगा ॥ ५ ॥ चक्रिक्
 लुतकैथिचक्रमखचा २ विद्युषिगेविद्युखनसाः आचक्रगा ॥
 ५ ॥ गाधयियचमचसः सहजाआनड २ विद्युवनसचचाच
 चयदसुचमि ॥ ५ ॥ ॥ वागवितास ॥ सहस्रदयमाभुजागि
 चयवर्द्धः पूषाचराक्षनाक्रसम २ ऊचपूषाथचक्रमुडकजाच

सहस्रदय ॥

सहस्रदय ॥

थचपूषाक्रमुष्टयाजीजाग ॥ ॐ ॥ नमामिशीखर्युधर्मधायु
 विद्युवननाथः स्वपूषादगिचिर्युतद्वय २ सर्वदवासुचयष्टिग
 चचराः मृतागवात्रिगसिद्धियसादा ॥ ॐ ॥ हर्मवाधियुगगमा
 चचयः मृतागवियहृष्टगमागिगा ॥ ॐ ॥ मृष्टधादुमृष्टरुचव
 जागिदी २ मृतागरुगादिनद्वयवाच ॥ ॐ ॥ पूर्वदक्षीनयष्टिमा
 दुचदिर्गः नीचयीगचक्रहविगा ॥ ॐ ॥ यश्चिद्विनयश्चिहानसाच
 याः चतुदविचष्टमृचमि ॥ ॐ ॥ यश्चिद्विनयश्चिहानसाच

स्वायामहाभय॥७२

मृत्युगमसिद्धिसिद्धियुगादा॥ ॐ ॥ हनयिसिद्धिवज्रचरिगीगाः ॐ
चमज्जचमशुद्धयुगादा॥ ॐ ॥ ॥ वागक ॥ वायमहामघ
गध्वनसनी २ थावचङ्गमयानवाखरु॥ ॐ ॥ हनवनागम
यवः हजाभादिय २ ह्मिकाचनकाचवर्षा॥ ॐ ॥ कर्चङ्गापि
विमगिः उचर्गमहामघः २ ह्मिस्तवविद्वसत्तयापिगा॥
ॐ ॥ जाचधचमहामघः जाचधचयूच २ ह्मउयह्मसादि
कनीग॥ ॐ ॥ योहचूडावजः गह्मज्जह्महा २ म्मगह्मचमहा

२ नवनागया॥

२ पूर्वदिगिगिगि॥७३

मघसर्वनागया॥ ॐ ॥ ॥ वागनेयवि॥ गावषट्ककावा॥ अप
पूर्वदिगिगिगिगः वज्रायनिदवीः कनकवर्षुगीः ह्मसासनी
वया॥ उचोदिदिगिगिगः चूडायनीदवीः चडसमदहाः व
षवाहनी॥ ॐ ॥ म्मसमसातवीचवीचवचः ना ॐ यिसह
जासातड॥ ॐ ॥ यमिचादिगिगिगः चूडायनीदवीः क्वक्
मवर्षुगीसहजवाहनी॥ ॐ ॥ याम्मादिगिगिगः वात्रादिदवी
वज्रिसमदहाः महिषासनी॥ ॐ ॥ म्मसादिगिगिगकामाची

२ पीगीया॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

कालिकाया॥

उगगभाद्रकाप्रिशीचामुद्रादवी॥ ॐ ॥ सूर्यसमदहाःविद्
 कयाचध्या॥ २ ॥ मूयचरुउदयनःस्वर्गसुगकध्या॥ ॐ ॥ का
 यचरुगचवशाप्रिर्गनगाधःमहाचागविशुद्धिःमहामाया
 कालि॥ ॐ ॥ चलेमकृगसिचसि४मुद्रमाचरुना॥ १ ॥ नचक
 गिव्यसिगःकैकाचचुयि॥ ॐ ॥ येगासूचःचिपूगक्षसर्व
 चापयिचउचाचनःयेगाचिर्द्वयद॥ १ ॥ ॥ यागयामक
 ति॥ मूखयनिच३नमूदयमूतयर्धःगगक्षकमचउःसा

स्योकादि

२नीयावम्॥

धना १ शुभान्नविद्यामिगः ॥ याययीचियादवीषा नविद्रुमः
 मडादिगा ॥ ७ ॥ नमामिनिचासकनीचकसखगावः हृदुः
 सुलनसंयायिगा १ मचदचचंदसमः गज्यकासिगः ३ लउ
 चदसमव्यायिगा ॥ ७ ॥ यजगंआगवत्साधायचकवलिः म
 नूमलुलुमयिगवीना १ निर्मिचहियाचकः मूहिनिमिष
 चलउंमयसाधना ॥ ७ ॥ ज्ञानदयचमानदविचसहजा
 चदुचानदउंमरवा १ यचमाविचमाः माभनचुदियमहा

सुखः सुगगसंयदयायिगा ॥ ७ ॥ हवउकाचचकशीचकः
 समचमानदकाटिसिद्धियाचगगा १ श्रीहगडादियानः यू
 र्गिचिजाचाधचयगमहासुखजानह ॥ ॥ ५ ॥ वागवा
 मकाचि ॥ गाममा ॥ मूचनसंनिगादहययासनलिगः काचून
 माससनिर्मीचकदया ॥ ७ ॥ ॥ नमामिगीउठधचिलोके
 श्वचः शुभुगिसूयुगिवलयदागा ॥ ७ ॥ हवलीचउठचलः
 गिचपजासिगाः विचिगुमनिहा चविउयिगा ॥ ७ ॥ दहिन

२४२५३॥७७

वचदयदवामकमचधचः विगाचनयनशुचवना॥ ८
॥ गिरुवनवायिगसत्तउधविद्याः सयचमनाचथशु
ववायिगा॥ ९ ॥ शुचनचउदगदाकिन्नचसहिगः पूडि
नचचनगिचगमधविद्या॥ १० ॥ नचकगिथिकेधाचविना
सिगदागा १ उचमउचयुक्ताचचरागाचरा॥ ११ ॥ वागया
मक॥ सटहउचकमूखः रुडघटधविः धानम ३३ पियूषकः

वसुधाय॥

वाम १ निविदविमनचत्तम ३३ लिः सर्वडिनवडिगः ददिः
नहम् ॥ १२ ॥ नमामिस्थीवसुधवादवीः चत्तगारचनर
विग १ कनकवर्णचत्तमकूटमनिः चलिगासनयासिद्ध
चरी॥ १३ ॥ वूर्ध्वगथागगदक्षिणलाकधचः वामवउयातिन्
लादवी १ उवचउचयुः नीचवर्णवामवचराशुकावर्ण॥
१४ ॥ चिविकुशुलिकालिमालिनीः मूखडावलडाशुगडाः

२५०
श्रीगणेशाय नमः ॥ ७८

धामि २ चामचक्रगधजयदाकादिहस्तचतुदनी ॥ ७ ॥ पूर्व
माक्षिरुदददिहस्तचतुदनी ॥ ७ ॥ पूर्व
सूयुक्तासचक्रगधजयदाकादिहस्तचतुदनी ॥ ७ ॥ पूर्व
मधुमग ॥ अथ धनार्थी ॥ गान्धर्व ॥ ७ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
दात्रुदादनीः विष्णुनाककमहाकादनीया २ शुचनचनगय
दगक्षवडिगाः दवादवग ॥ ७ ॥ अथ चक्रगधजयदाकादिहस्तचतुदनी ॥ ७ ॥

श्रीगणेशाय नमः

मामि २ श्रीगणेशाय नमः ॥ ७ ॥ अथ धनार्थी ॥ गान्धर्व ॥ ७ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
हचक्षुहमर्गचदायकाः सर्वचक्रनसीयालिगा ॥ ७ ॥ गज
मुखयिनयनसंवकचत्ताः वज्रसंवादचनगधजयदाकादिहस्तचतुदनी ॥ ७ ॥
दवयदगधजयदाकादिहस्तचतुदनी ॥ ७ ॥ अथ चक्रगधजयदाकादिहस्तचतुदनी ॥ ७ ॥
रुचनविहस्तचतुदनी ॥ ७ ॥ अथ चक्रगधजयदाकादिहस्तचतुदनी ॥ ७ ॥
चक्रगधजयदाकादिहस्तचतुदनी ॥ ७ ॥ अथ चक्रगधजयदाकादिहस्तचतुदनी ॥ ७ ॥

लोकांशवत्या॥

२चक्रसम्यया॥

१५५१५३॥१०

संगचनः विविधिविप्रसक्तविनासकचनः ॥ ॐ ॥ वज्रघण्ट
 गजचर्मदमनः स्वतार्गमदमाचलाउआरुचनस्रता २ कचनि
 कयाचयचयपागपिगुचवक्रगिचः षडमृदागचनयक्रवि
 गा ॥ ॐ ॥ विचकचदिसगिमलुसमाडधिमिः वज्रवाचाहिः
 यक्राआविंदा २ बुधिसविचवचः मलुसखनयकं विवासयि
 सहजानडमचमि ॥ ॐ ॥ वज्रसचनगगमाद्वचमामिखट

रत्नामि २ वज्रागिमी ॥ ७१

गगनवलयः इमेगिनासनी २ आगमगुचगलउयदगचमनाः
 मदिमिदिदहिशीहचवसचनी ॥ ॥ वागमाचमि ॥ गावडय
 नमामिश्वावज्जगिमी २ गचनिमलुसमाभयक्रविगदहा
 ॐ ॥ नोमिशीवज्जगिमीः वाहिगवर्धुगा २ अनुरुचवाधियद
 यनिदवी ॥ ॐ ॥ गिरुवनवापिगदहिनकचध्वविः सहजान
 डचयिनीदवी ॥ ॐ ॥ कृदार्गचमनाहचमलुता २ वामखयच

रवज्जगिमी ॥

२६ कावसजागी ॥ १२

कथुखर्जधालि ॥ ॐ ॥ चर्कधर्मादयाचापियिनाडव पुन
मामिवाळुचिउहध्वनि ॥ ॥ ॥ वागहडाव ॥ मातमि ॥ रुक
चसंजानेः मीचवर्षयवदसुविवा ॥ चर्कधुक्दक्षिणगव
मिनिनर्णयिगध्वकोभा ॥ ॐ ॥ नमामिथीवऊ हंकाचमचमि
सयचविप्रवितासन ॥ २ ॥ लाकविवाविवासविप्रचुमाव
विध्वसनी ॥ ॐ ॥ दहिनकचवऊहचः गोपुखर्जचकध्वनि

२महोका ॥

२७ कावसजागी ॥ १३

गा ॥ वामप ॥ गऊनियोगखर्जधालिगा ॥ ॐ ॥ कष्टिक
लकयचचाचकहादगचनविरुखिगा ॥ मधुमाचवाघ
डिनाचकगाः दक्षकचाचवदनी ॥ ॐ ॥ यथाचिउयगचव
लनः वेष्टुथीयहदिविकाकाः वऊसत्वयसादायकः विदि
मिद्वियसादायक ॥ ॐ ॥ ॥ वागहडाव ॥ ३ ॥ माध्वताव
मचमिः निचडिमूर्कसकगा ॥ २ ॥ चर्वचमादचयितयनः वा

महोकाचया ॥

विवद न हय कच ॥ ॐ ॥ दवीथी महाकाच हं काचमचमिः
 मर्द्धि मिर्द्धि वेच दामा ॥ कचमिखय चख म्मिगुचः माचदयोः
 सीहायिना ॥ ॐ ॥ विप्रहिदयाय विप्रणा आदिहः व्याघेचमीम
 दमाचा २ भाविमृक्षारुथीडिनवचः सामनयाचिममहाविः
 या ॥ ॐ ॥ दक कलाया लक्ष्मकाः विरुगकमिः उर्द्धकमा २ उ
 डीगं आरुचदरुषिगेदहाः हिमस्यामिगहय कच ॥ ॐ ॥ आद

२॥ विवद न हय ॥ १०२

वमहाकाचमिखववायिनाः दवासुचनचमविना २ गमयुः
 चचचनमिनागाहनचचनकमचवडिना ॥ ॐ ॥ ॥ याग
 नामकवि ॥ मातङ्गमि ॥ डिनवचमनः रुवथीकायामचः निर्व
 सिडिनवचमनिना २ नयाचममुचमाडः गमिहममिचनः
 उगमनाथमृरुययदामा ॥ ॐ ॥ शिङ्गागवन्धियाचः मृवष्ट्या
 चदवः पनमामिदगमसाकाश्चचदव २ सिद्धाअगिवधदरु

२॥ विवद न हय ॥

आयुंदा॥१०॥

[illegible]

२मश्चगिया॥

सुदिगकोमन् ॥ ११ ॥

व
५ ॥ ॥ वागयदाहति ॥ उदिगकमचविकसिगउद्वगर्ग
श्रीवेनाचनयिशुंनमागावाह्वयी ॥ ॐ ॥ ऊचमऊचमगडा
तगमियग ॥ ४ ॥ दिनकसगदगयदीगगऊगिनी ॥ ॐ ॥ जः
किदिनामाखलुवाहाचूयिदी ॥ ५ ॥ उगगिदियरूमचूगिः
मतादवा ॥ ॐ ॥ चयुचदिगीमाऊरुगिमानद ॥ ६ ॥ वेगानचग
निकाचिमहाह्व ॥ ॐ ॥ कचगिकयाचधवाः आयरूऊगि

पञ्चांगिनि॥

२ निचगयन ॥ १८

ली ह्युगिमयुगिवयसंपददायनीकागिदी ॥ ॥ ॥
गाकदि ॥ गातयक ॥ निचगयनः शागिममंग २ गिमखयि
प्राचनिकमचसीहावा ॥ ० ॥ गावययीकागिदी ह्यनययी
कचनः नाक्षयि ॥ ० ॥ जाकिदीमधुसचकाहलिया २ मधु
सकानवादिसहिगा ॥ ० ॥ वडिनीधायिवगाविः चदासिः
वायिनिईवकडचाकिदी ॥ ५ ॥ ॥ वाकेगेह ० ॥ मवति

॥ शागि ॥

२ डिचवयन ॥ १९

निहिगजानः निचममदहा २ ककचयिनयनरिषवदना ॥ ग
नाका २ हं २ जागमचचकाहवाया ॥ ० ॥ निचिंदिमघनइमिः
शागिममंगयः यागखर्मः गिधुवनवाया ॥ ० ॥ हविहचव
का ० ० चवमाया २ माचविघगक्षगफूकयहचन ॥ ० ॥
विविधिवनमोविः सकुगदहा २ जगमविवांकिगवचरुच
दगा ॥ ५ ॥ ॥ वागमाचव ॥ निचवचडननिपगायच

॥ शागिचय ॥

मन्त्रि२ विद्यासयिसमचसंदंदसासिङ्गना॥ ॐ ॥ निवसूह
 सययगुझाचसंयुः गाधमाजासिङ्गना॥ ॐ ॥ निवसूह
 चायसंहागसयधिमयना२ वागविद्यागइयिमाएनिखम॥ ॐ
 यथैकविसेयागविरुषना२ उचनचयभादिगजाविगना॥
 ॐ ॥ दहदिगरवतथीऊगाभम्वयनमामिहानश्वरीणावि
 गना॥ ५ ॥ ॥ वागविविः गा१कमात॥ विश्वदचसंवाऊग

विषयद्वय॥

६०

ह्यानजकिनि॥

गिमधुलमाभः हानदाकिदीदवी२ शिवचनकाटहगिमसि
 झायाः नवतयसूगाकिना॥ ॐ ॥ नमामि२थीहानजकिनि
 शिवचनवापिमसत्वधिया२ गुनहानदायनीसिद्धियदा
 ना॥ ॐ ॥ पाचावामयिह्यामः संखूंयूंहूंवऊजकिनि२ ॐ
 भावाग्यनेमग्वायूवाः सिंधिनिवाधिनिऊमूउयाकिनि

ॐ ॥ पूर्वगिचयच्छिमदक्षिणः वायं आदिपिनिर्वाडीसी २
 गीमयीमचकसामः कषूवन्त्रीः सर्वमाचविप्रनिहना ॥ ॐ
 सर्वगथागगजतनिदवीः पनमामिहानजकिनी २ हनयी
 विचामवज्जमोक्षदागा ॥ उक्कचचनसिचगगधविद्या ॥ ॐ
 ॥ वागमाचव ॥ चकवदनमकठमाचकगा २ चयुहउख

२७कवदना ॥

२मश्नीया ॥

६१

प्रयसकगचधनधावि ॥ ॐ ॥ नमामिमक्ष्णीः यदनिग्व
 ॥ मयचआमीमयचिपूचिगडधीवि ॥ ॐ ॥ दक्षिणयोगदापः
 निःवाममहोकाचः सगक्षमकुनमापः यकचिगसस्मिता ॥
 ॐ ॥ शिसेहाचवायाः विग्ववापिगा २ मष्टमहालयवा
 विईसगहचना ॥ ॐ ॥ कडदक्षयसाधिगदासहनयीया २ यु

२५३ दिगम्बरी ॥ ६२

नृचचनमात्रमिद्विचयसादा ॥ ५ ॥ ॥ वागमानव ॥ ५
वैदिगम्बरीहंसासनिदवी २ चडवदनिदवीध्रविगम्बरी
ॐ ॥ नमामित्रीहचवमाशिकाः गरायगिकुमाचा २ अहः
हचवमाशिकागिनी ॥ ॐ ॥ वाहावदनिध्रविगम्बरी
मय्यासनिदवी २ विह्वयध्रविह्वयविदवी ॥ ॐ ॥ वद

॥ वागमानविकाया ॥

२५३ दिगम्बरी ॥ ६२

नद्यात्रचयिनिवाचादिदवी २ कंकवदनिदविशीलं अ
यति ॥ ॐ ॥ कचखप्रध्रविगम्बरीकाचमचरुगि २ यनमामि
दवीथीमहासय्यीमगता ॥ ५ ॥ ॥ वागकहः ॥ अवनिति
हिगजानूः नीचसमदहा २ ककचयिनयनरिषतवदनाः ॥
गताका २ जागमचचकादवाया ॥ निधिदिगघनरुगिमाहि

॥ अचयया ॥

पुनःपुनः॥६॥

भाहनसाचयविर्ण ॥ ॐ ॥ वागध्वषभाहनब्द २ नचदसू
 न्यसमानदय ॥ ॐ ॥ लावनलावकमिशनगक २ निसाचग
 नयदविमर्दि ॥ ॐ ॥ यनचुयचुवर्दिशक २ गनचुगनः
 कुवधनमूचग ॥ ॐ ॥ वाकमाहनिवगिनगच २ गभावि
 वर्जिनसिद्धिनय ॥ ॐ ॥ गस्मानगधनसदनचूया २ नेव

ऐतिद्वयार्थकः ॥ ६२

वसनविरुद्धिद्विषयसन्तः ॥ ॐ ॥ धर्मेनमयचद्विषुद्धिः
२ शुद्धिः सा शास्त्रनङ्गः गङ्गायाम्ना ॥ ५ ॥ ॥ वागविताम ॥
विद्वयार्थकः धर्मादियाम्ना २ च विमलः सायसिः वीः
काचमयत्ता ॥ ॐ ॥ नमामि २ श्रीवाङ्मसिः यिरुवनवापिः
नः गगनाद्वायः ॥ ॐ ॥ चर्कवर्णवर्कसिनिनयन २ विश्व

ऐतिद्वयार्थः ॥

ऐतिद्वयार्थः

वजाकाकाविश्वयया ॥ ॐ ॥ दहिनः शुद्धध्वः गङ्गातिवच
जि २ वामः शुद्धध्वयादकपात्ता ॥ ॐ ॥ वामयादुद्धः शुद्ध
वक्त्रादहिनयादहोचकाका ॥ ॐ ॥ रुतयिविवासवङ्गमाद्
यदागा २ विद्धिसिद्धिवचदायनी ॥ ५ ॥ ॥ वागविताम
यिरुवनमाचवितामय २ भविसकगिश्चहवता ॥ ॐ

ऐतिद्वयार्थः ॥

एकद्वयिभूताकाचः यश्चैव गमगमलीना २ बुद्ध्यायक
 वा। एतद्गवमिहः यतमा मिहग २ रुग्णरुग्णस्यक्ष २ योम
 गाम्बुजिह्वतज्जतिः चारुहृणाचनीदवी ॥ ७ ॥ यश्चैव
 थागममकगविरुखिगाः कृष्णतनागडवावा २ सिंहव
 चमगडचर्माविरुखिगानागमगवतडवावा ॥ ८ ॥ अथ

ज्ञान २

गरुड एकादगवयनः सहस्रममाचविनासा २ नचयास
 खर्जधनवतः वडकयाचविगूया ॥ ९ ॥ समुद्रकसिगदव
 गयनः समचक्रयायविनासा २ उच्यतेनज्जतिथीसगाम्ब
 ऊहृखसहमाचविनासा ॥ १० ॥ ॥ वागकनदि ॥ कृत्तिम
 सत्राजसुगंदहोमेचसा २ अथयवधुचसमी ॥ ११ ॥ नाहिहि

१ कृत्तिमयाज ॥ १० ॥

२ अथयवधुचसमी ॥

दयकल्लिगियचक २ उदियाचगुमिसहाचवाया ॥ ७ ॥ न
 मामिचीचचदमहाचारवना २ गिरवतवीचमहागुखना
 था ॥ ७ ॥ यश्चवृद्धिनिचकसहावा २ यश्चिनिदहकिम्
 नूरुचवृया ॥ ७ ॥ यचूउयदगः निचहानकाया २ यिदग
 वाचहसचनागग ॥ ७ ॥ ॥ वागखत्ताग ॥ अगसिकसूम

स्वयमहाचार्य ॥

स्वयमहाचार्य ॥ ६६

इदहपगाखच २ विविधिवरुननिमकूगविरुखिगा ॥
 ७ ॥ नाचयिच २ योअचचविचा २ गता ॥ अज्ञानचविचा
 मयिअचच ॥ ७ ॥ व्यामउरुदविम्बमडादसने २ पक्षविः
 ऋग ॥ अद्यमहाचस ॥ ७ ॥ माचचडुचदयानिहंगा २ ह
 गखर्जगडुनियाम् ॥ ७ ॥ विचागचडुः रुचरुयहचना

२५३ विग ॥ ६२

चविमसिहगं नर्दगगगचीना ॥ ॥ ॥ वागखतागव
यकविगहंकाचः चरुवमचुगि ॥ ॥ इतीचरुसमदहा वि
गकस्मिगः गृष्टिकचनः चतमकगकाछाखी ॥ ॥ नोमि
शीचइवीचरुवसिधुगचन ॥ ॥ विग्वताथविग्ववापिगः वि
धंसनकचनी ॥ ॥ अतकडावस्मिगः गिरुवतवीचसः

॥ २५३ ॥

वर्गिष्टुखजधुचैः वामगर्हतिदयासः धचगवादिशामन
वधनकचनी ॥ ॥ नानाचहाहाचनोयः कलिभरुचः
गृष्टिगदहा ॥ ॥ दष्टकचाचहिरुमवदनीः गिरुवतवि
वासयिषचइवीचा ॥ ॥ वीचाधियसर्वगयहचन ॥ ॥ च
पिगाचसाकमनसा ॥ ॥ अचनचयकावडिगचचनी ॥ ॥ स

२०
॥ नमो भगवते ॥ २०

वैशिष्टिभादयूरुचन ॥ ॐ ॥ वागमायव ॥ नातमाथ ॥ कनः
कवर्णदहाः एकमुखद्विज ॥ मकूटकृगः पिसिनाचनिदवी
॥ ॐ ॥ नमामि ॥ शीघ्रस्वामिनीदवी ॥ जगन्माहिनीदवी ॥ अ
द्विसिद्धिप्रसाद ॥ ॐ ॥ सिंघाद्विष्णुगच्छतिः सतिनामनस्त्रिणा
वत्तारुचद्वारुखिनाः ॥ अगिसूखसाहिना ॥ ॐ ॥ दहिनरुऊ

॥ स्वास्वामिनी ॥

दर्वः ॥ गतव्वाविहीदवी ॥ वामरुऊ सर्वचतुर्गोऊनस्त्रिणा ॥
ॐ ॥ गच्छतिमच्छुसमाडः ॥ चरुगस्त्रिणा ॥ सगक्षमच्छुसमाड
चरुगस्त्रिणाः ॥ सगनमच्छुसमाडः ॥ प्रमादिगच्छया ॥ ॐ ॥ शीः
माहिनिदवीः ॥ गिरुवनव्यापिना ॥ सचनचलियूरुयनासि
ना ॥ ॐ ॥ गगयुचचच ॥ ॥ वचप्रसाद ॥ त्वेदवीचच ॥ ॥ अ

२३ दिनागना ॥ २१

द्विसिद्धिपगाद ॥ ॥ वागविनाः नामाथ ॥ उदिनागवयनयः
वनदृगा २ वचसुदामचकः काकलिगा ॥ धावदृष्टवगयति
साचलिगा २ अखयतिवञ्जतमादृदगा ॥ ॐ ॥ दितकचः
मउतमध्वगगा २ दवासुवनचसिचनमिगा ॥ ॐ ॥ दय्या
सिअतिरुयपमितिहना २ कचतमगावसस्यविकिगा ॥

२४ वागविना ॥

२५ वागविना ॥ २२

ॐ ॥ गावक्रियवनयलिगुचरगगा २ वडवावाहियुहुसि
वनमिगा ॥ ५ ॥ वागकावयियरुसः माध ॥ कावयिययि
यग्वावाः ममतिवर्ककावा २ घनकयिथिउंवावाः कच
न्याकियालिनसावा २ मवयउकृष्टुचवाउयिया २ दिदिम
नुहिनवाउयिया ॥ ६ ॥ नहिम्वरवाउयिगाध्व २ मयना

२६ वागविना ॥

यिऊ यिचायिया २ हविंका लिऊ लमाऊ चः हइ चवाऊ यि
 नयायिया ॥ ॐ ॥ चवसमक मुचिसिजा २ कपूचवावतया
 यिया ॥ ॐ ॥ माचयि ॐ धनगालिऊ चः गहिं वचखाऊ यि
 यायिया ॥ ॐ ॥ यखनकमकचक ॥ यद्युद्वनमनियाः
 यिया ॥ ॐ ॥ निचसुहयचडावयियाः गहिऊ सवाव

नक्षपनमामियाः मचयऊक ॥ ५ ॥ वागमधमग ॥ मातचक
 मात ॥ कविगवजानचः श्रीचकसमचः हंका वागवः डि
 काऊपमाडा ॥ मीसाहगिमयमामसंरुगाः यश्मिमाचिमय
 मामगदकु ॥ ॐ ॥ खखखाहिचयकदहनाः यश्मियाः
 वसमचिना ॥ श्रीवऊऊगिसिचामाखइवाहाः प्रियिणी ॥

(कविगवजानचः ॥ २३

यिचयिया ॥

यश्चक्रागिशा॥ अथिसंवीचविचयश्चमञ्जुतः कश्चमकिः
 विवित्रायमाना॥ ॐ ॥ दमत्रघञ्चधनिसमृदिवाडियाचः
 दानयगिविघ्नविनासिगा॥ ॐ ॥ थागिसियश्चदवियश्च
 मद्यगताः रुवञ्चुगगाकियसित्या॥ माचविनासतच
 रुमयवाः अगिमकसूखरुचमादुगवचु॥ ॐ ॥ सर्वसिद्धि

वाक्कङ्कगङ्गागताः कश्चाहमिमाचायमाकिचिरुसा॥ यच
 माहमिरुचयानिसयवाः सनरुचहानसत्वमादुपदाना
 ५ ॥ वागहेचविः मानुषा॥ गितिवायनचयुवन्नविहया
 वसगिवाचः आचार्यवेष्टया॥ ॐ ॥ हामकयेयाहामनहि
 नउमावा॥ वागध्वयमाहनवदिचञ्चदिया॥ ॐ ॥ वामदहि

गितिवाय॥ २२

रसिगाद्या॥

नकचहुवायपात्रीकजयिवजानलआहगिजीयिया ॥ ॥

प्रह्लाद्यधुउपायीनेवहु २ वहुपवनचियसुलोग्ग ॥ ॥

कध्वोवाजंगभूयंगहाम २ कजाहपुगिम्हामधुलहाम ॥ ॥ ॥

जागकह ॥ गहनमेधनिवासिनिदवी २ नीलवर्धद्वीपिंग
लकेशि ॥ ॥ तमामि २ शीदक्षि ६५ कालिचन ॥ ॥ ॥

प्रकमखगिनयनप्रगासनीद्वी २ षट्पुरुषाजिनजमधुमा
ला ॥ ॥ दिनकचकाटिभंरुपुकासि २ नजहसुकीटवष्टक
काजमूर्ति ॥ ॥ नजलिनदधुलधजिगहाम २ असुजवि
नासिनि नजभृगुरदुही ॥ ॥ हाउआरुजधविन्दुपाग
धजिधी २ खल्लाजमूजुनखजदमनूधजि ॥ ॥ जागद्वेष

आर्यगाना

भाहमाया साकुरुमह नदी २ रुगगगन नीरुगगभाहिदी ॥ ॥
अकिमूकि रुतपुदभा रुघावदेवी २ रुतकिग २६६५ जाऊच
विगगीगा ॥ ॥ ॥ ~~नागसहज~~ ॥ ~~६५५५~~ वरुह पुकमूरुदि
रुजगिनी लाचना ॥ नमामि २ ६५५५ आर्यगाना देवी ॥ ६५ ॥
दहिन रुजगन वजदपदागा वामरुज ॥ कमलधा विग २६५५

२ ॥ ॥ अलंकालवस्तुदि आरुवन अरुग २ वलमक
टधावी यद्या सनसिग ॥ ॥ सूरैकिमूकि च सर्वसिधि
दागा २ अजनाम वरुह रुतपुददेवी ॥ ॥ मिशुवन व्यापि
निचगुमा जह नदी २ रुकग २६६५ जाऊ आर्यगाना ६५५
२६५ ॥ ॥ ॥